~~~

**SET-2**

**Series Q3SPR**

प्रश्न-पत्र कोड **2/3/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

| परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें। |
|---|

[]

**नोट**

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

# हिन्दी (आधार)

# HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

***सामान्य निर्देश :***

*निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :*

*(i)* *यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।*

*(ii)* ***खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

*(iii)* ***खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

*(iv)* ***खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

*(v)* *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

*(vi)* *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*
~~~

~~~

## खण्ड क

## (अपठित बोध)

**1.** निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

फूल से बोली कली क्यों व्यस्त मुरझाने में है
फ़ायदा क्या गंध औ मकरंद बिखराने में है
तूने अपनी उम्र क्यों वातावरण में घोल दी
अपनी मनमोहक पँखुरियों की छटा क्यों खोल दी
तू स्वयं को बाँटता है जिस घड़ी से तू खिला
किन्तु इस उपकार के बदले में तुझको क्या मिला
मुझको देखो मेरी सब खुशबू मुझ ही में बंद है
मेरी सुंदरता है अक्षय अनछुआ मकरंद है
मैं पली काँटों में जब थी दुनिया तब सोती रहीं
मेरी ही क्या ये कभी किसी की भी कभी होती नहीं
ऐसी दुनिया के लिए सौरभ लुटाऊँ किसलिए
स्वार्थी समुदाय का मेला लगाऊँ किसलिए
फूल उस नादान की वाचालता पर चुप रहा
फिर स्वयं को देखकर भोली कली से ये कहा
ज़िंदगी सिद्धांत की सीमाओं में बँटती नहीं
ये वो पूँजी है जो व्यय से बढ़ती है घटती नहीं

(i) फूल और कली के संवाद के माध्यम से कवि ने स्पष्ट किया है : *1*

(A) जीवन की सार्थकता को

(B) जीवन की क्षणभंगुरता को

(C) जीवन की नश्वरता को

(D) जीवन के दृष्टिकोण को
~~~

(ii) काव्यांश के अनुसार कौन-सी पूँजी बाँटने से बढ़ती है ? *1*

(A) ज्ञान

(B) ज़िंदगी

(C) संपदा

(D) दुख

(iii) काव्यांश के संदर्भ में 'वाचालता' शब्द का अर्थ है : *1*

(A) चालाकी

(B) समझदारी

(C) बड़बोलापन

(D) मूर्खता

(iv) कली और फूल के व्यक्तित्व में क्या अंतर है ? *2*

(v) कली अपना सौंदर्य और महक किसी के साथ क्यों नहीं बाँटना चाहती ? *2*

(vi) कली अथवा फूल, आप किसके विचारों से सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। *1*

**2.** निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

नि:शब्द धीमी चाल और सदियों का साक्षी – जब कोई प्राणी हमारी धरती पर प्रकृति का सबसे शांत लेकिन सबसे मज़बूत प्रहरी बनकर खड़ा हो, तो उसका महत्त्व केवल जैव-विविधता तक सीमित नहीं रह जाता, वह हमारी संस्कृति, चेतना और पर्यावरण की आत्मा बन जाता है। कछुआ, जो समय की रेत पर अपने धैर्य और दीर्घायु के पदचिह्न छोड़ता आया है, आज खतरे में है। 23 मई को मनाया जाने वाला विश्व कछुआ दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि पुकार है, उस मौन जीवन के लिए, जिसे हमने वर्षों तक नज़रअंदाज किया और जो आज हमसे बचाव की गुहार कर रहा है।

मान्यता है कि कछुए धरती पर करोड़ों वर्षों से अस्तित्व में हैं। उन्होंने हिम युगों, महाविनाशों और भूगर्भीय परिवर्तनों को झेला है। उनके अस्तित्व की स्थिरता, उनकी धीमी लेकिन स्थायी जीवन-शैली का प्रमाण है। मगर दुखद है कि आज जिन संकटों का वे सामना कर रहे हैं वे किसी प्राकृतिक आपदा के नहीं, बल्कि मानवीय लालच और लापरवाही के कारण हैं। विश्व में ज्ञात 350 से अधिक कछुआ प्रजातियों में से लगभग 60 फीसदी प्रजातियाँ संकटग्रस्त या विलोप के कगार पर हैं। समुद्री कछुए-जैसे मादा ऑलिव रिडले, जो हजारों किलोमीटर तैरकर अंडे देने के लिए ओडिशा तट पर आती है, को जल और प्रकाश प्रदूषण तथा मानवीय हस्तक्षेप से भारी खतरा है। इन मूक प्राणियों के लिए संकट के प्रमुख कारणों में प्लास्टिक प्रदूषण, समुद्री तटों का अतिक्रमण, अवैध व्यापार और जलवायु परिवर्तन है।

कछुआ हमें सिखाता है कि दौड़ना ज़रूरी नहीं, टिके रहना ज़्यादा ज़रूरी है। यह भी कि मौन शक्ति की एक अलग भाषा है, जो शब्दों से नहीं, बल्कि कर्म से बोलती है। उनकी धीमी चाल में हमें भविष्य की गूँज सुनाई देती है कि यदि हम उन्हें बचा पाए तो खुद को बचा पाएँगे।

(i) गद्यांश के आधार पर कछुए की महत्ता का मुख्य आधार है : *1*

(A) नि:शब्द मंद गति

(B) उसका शांत स्वभाव

(C) जैव-विविधता का अंग

(D) संस्कृति, चेतना और पर्यावरण की आत्मा

(ii) जैव-विविधता से अभिप्राय है : *1*

(A) सभी प्रकार के जीवन की विविधता

(B) पेड़-पौधों की विभिन्न प्रजातियाँ

(C) सूक्ष्म जीवों की विभिन्न प्रजातियाँ

(D) पशु-पक्षियों के जीवन की विविधता

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : *1*

*कथन* : समय की रेत पर अपने धैर्य और दीर्घायु के चिह्न छोड़ने वाले कछुओं का जीवन आज संकट में है।

*कारण* : उन्होंने हिमयुगों, महाविनाशों और भूगर्भीय परिवर्तनों को झेला है।

**विकल्प :**

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) 'मौन शक्ति की एक अलग भाषा है' – आशय स्पष्ट कीजिए। *2*

(v) "दौड़ना ज़रूरी नहीं, टिके रहना ज़्यादा ज़रूरी है" – से क्या अभिप्राय है ? *2*

(vi) कछुओं के संरक्षण हेतु किन्हीं दो उपायों का उल्लेख कीजिए। *1*

(vii) प्रवासी कछुए भारत में क्यों आते हैं ? इन्हें किससे खतरा है ? *2*

## खण्ड ख

## (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

**3.** निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) समाचार लेखन और ककारों के बीच का संबंध स्पष्ट कीजिए।

(ii) विचारपरक लेखन से क्या अभिप्राय है ? इनका क्या महत्त्व है ?

(iii) नाटक में दृश्यों की क्या भूमिका होती है ? स्पष्ट कीजिए।

(iv) रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या सीमित क्यों रखी जाती है ?

(v) 'नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन' पाठ में लेखन कर्म को खुले मैदान में दौड़ लगाने, कुलाँचे भरने की तरह क्यों कहा गया है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

**4.** निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) आप क.ख.ग. समाचार पत्र के पत्रकार देव/देवांशी हैं। हाल ही में आपने अ.ब.स. पशु देखभाल गृह का दौरा किया है। उसमें पशु-पक्षियों के साथ होने वाले व्यवहार और वहाँ की सुव्यवस्था को देखकर आपको सुखद अनुभूति हुई। इसका विवरण समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

(ii) सीधा पिरामिड और उल्टा पिरामिड शैली में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए।

(iii) पत्रकारिता के क्षेत्र में 'डेस्क' से क्या अभिप्राय है ?

(iii) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय सबसे बड़ी समस्या क्या होती है और इसे कैसे हल किया जा सकता है ?

**5.** निम्नलिखित दिए गए तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(i) तारों भरी रात का सौंदर्य

(ii) पुस्तक मेले में पुस्तक का लोकार्पण

(iii) अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का बढ़ता वर्चस्व

## खण्ड ग

## (पाठ्य-पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

**6.** निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्यों कि इस करतब पर मुझे
साफ़ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह !

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !

हार कर मैंने उसे कील की तरह

उसी जगह ठोंक दिया।

(i) 'बात की चूड़ी मरना' से क्या अभिप्राय है ?

(A) बात का पकड़ में न आना

(B) बात का प्रभावहीन हो जाना

(C) कथ्य और माध्यम का तालमेल होना

(D) बात में कसाव और ताकत का होना

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

*कथन* : कथ्य के भाव या अभिव्यक्ति के अनुरूप ही भाषा का चुनाव करना चाहिए।

*कारण* : भाषा के शब्द-जाल में फँसकर कथ्य की जीवंतता और सार्थकता नष्ट हो जाती है।

**विकल्प :**

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए :

| *स्तंभ-I* | *स्तंभ-II* |
|---|---|
| 1. पेंच खोलना | (i) कथ्य के माध्यम को सरल बनाना |
| 2. बेतरह कसना | (ii) बात में कसावट का न होना |
| 3. कील की तरह ठोंकना | (iii) भाषा को अलंकृत करना |

**विकल्प :**

(A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(C) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(D) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)

(iv) कवि भाषा को और अधिक तराशने में क्यों लगा रहा ?

(A) भाषा का महत्त्व न जानने के कारण

(B) आत्म-संतुष्टि प्राप्त न होने के कारण

(C) संप्रेषणीय शब्द न मिलने के कारण

(D) लोगों से मिलने वाली प्रशंसा के कारण

(v) 'क्यों कि इस करतब पर मुझे' – पंक्ति में किस करतब की बात हो रही है ?

(A) भाषा को अलंकृत करने की

(B) कथ्य को अलंकृत करने की

(C) कविता पाठ करने की

(D) पाठक और श्रोताओं को लुभाने की

**7.** निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) 'कविता के बहाने' कविता के संदर्भ में कविता और चिड़िया की उड़ान के बीच तुलनात्मक वर्णन करते हुए लिखिए कि किसकी उड़ान अधिक है और क्यों ?

(ii) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता का उल्लेख हुआ है, क्या इस प्रकार की संवेदनहीनता हमें अन्य क्षेत्रों में भी देखने को मिलती है ? उदाहरण सहित तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(iii) "तुलसीदास द्वारा रचित 'खेती न किसान ....' छंद में प्रकृति और शासन की विषमता से उपजी स्थिति का यथार्थपरक चित्रण हुआ है।" पुष्टि कीजिए।

**8.** निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'बादल राग' कविता में कवि ने ऐसा क्यों कहा है कि 'सदा पंक पर ही होता जल-विप्लव-प्लावन' ?

(ii) 'बगुलों के पंख' कविता से उद्धृत 'उसे कोई तनिक रोक रक्खो' पंक्ति से क्या आशय है ?

(iii) 'पतंग' कविता के संदर्भ में बच्चों और कपास के बीच का संबंध स्पष्ट कीजिए।

**9.** निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) हैजे और मलेरिया से पीड़ित गाँव की स्थिति का वर्णन 'पहलवान की ढोलक' पाठ के अनुसार अपने शब्दों में कीजिए।

(ii) 'भक्तिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि महादेवी जी के घर आने वाले साहित्यकारों के प्रति भक्तिन के सम्मान का क्या मापदंड था ?

(iii) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि श्रम विभाजन की क्या आवश्यकता है ? पाठ में इसकी किस कमी की ओर संकेत किया गया है ?

**10.** निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) 'भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है' – महादेवी जी के इस कथन के पीछे के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'बाज़ार दर्शन' पाठ में लोक वैभव की व्यंग्य शक्ति किसे कहा गया है ? इसके क्या दुष्परिणाम होते हैं ? यह शक्ति किसके सम्मुख चूर-चूर हो जाती है ?

(iii) काले मेघों के झमाझम बरसने पर भी गगरी फूटी की फूटी और बैल प्यासे के प्यासे क्यों रह जाते हैं ? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर लिखिए।

**11.** निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

जेठ की जलती धूप में, जब धरित्री निर्धूम अग्निकुंड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था। कम फूल इस प्रकार की गरमी में फूल सकने की हिम्मत करते हैं। कर्णिकार और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ। वे भी आस-पास बहुत हैं। लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पंद्रह-बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति। कबीरदास को इस तरह पंद्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था। यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़-के-खंखड़ – 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास !' ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले। फूल है शिरीष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है। यद्यपि कवियों की भाँति हर फूल-पत्ते को देखकर मुग्ध होने

लायक हृदय विधाता ने नहीं दिया है, पर नितांत ठूँठ भी नहीं हूँ। शिरीष के पुष्प मेरे मानस में थोड़ा हिल्लोल ज़रूर पैदा करते हैं।

(i) "शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है।" इस कथन के समर्थन में विकल्प है :

(A) शिरीष के साथ और पेड़ों की तुलना नहीं हो सकती।

(B) शिरीष मन रमने पर भादों में भी फूलों से लदा रहता है।

(C) शिरीष के पेड़ों पर वसंत ऋतु में फूल आते हैं और आषाढ़ तक रहते हैं।

(D) अपनी अजेय जिजीविषा के कारण निःस्पृह भाव से प्रचंड गरमी में अविचल खड़ा रहता है।

(ii) 'दिन दस फूला ....' पंक्ति का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है ?

(A) पलाश के फूलों की अल्पायु का वर्णन करने के लिए

(B) जीवन की नश्वरता का उल्लेख करने के लिए

(C) शिरीष के फूलों को औरों से श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए

(D) जीवन की क्षणभंगुरता का उल्लेख करने के लिए

(iii) 'नितांत ठूँठ हृदय' से अभिप्राय है :

(A) नीरस

(B) सरस

(C) कोमल

(D) समृद्धिहीन

(iv) निम्नलिखित में हिन्दी मास का नाम ***नहीं*** है :

(A) ज्येष्ठ

(B) आषाढ़

(C) भाद्रपद

(D) वसंत

(v) 'ऐसे दुमदारों से ....' लोकोक्ति का अर्थ गद्यांश के संदर्भ में है :

(A) छोटी पूँछ होने से बेहतर है, न होना

(B) कम होने से बेहतर है, न होना

(C) कम साधनों से साधनहीनता अच्छी है

(D) अल्पावधि से अवधिहीनता अच्छी है

**12.** निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'हम पुरानी चाल के, हमारी घड़ी पुरानी चाल की' – 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में पंतजी द्वारा यह कथन किस संदर्भ में कहा गया ? इस कथन के आलोक में पंतजी की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) 'जूझ' कहानी में छात्रों को अनुशासन में रखने के लिए अध्यापकों द्वारा दिए जाने वाले शारीरिक दंड का भी उल्लेख किया गया है। आपकी दृष्टि में छात्रों के साथ इस प्रकार का व्यवहार कहाँ तक उचित है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। वर्तमान में इसमें क्या परिवर्तन आया है ?

(iii) सिंधु घाटी सभ्यता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि हमारे पूर्वज आज के इंजीनियरों से जल का प्रबंधन करना कहीं बेहतर जानते थे।